जापान और कोरिया से 25 हजार करोड़ के करार

कृषि व एयरक्राफ्ट सेक्टर में फ्रांस करेगा निवेश पेरिस में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया रोड शो

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के जरिए निवेश आकर्षित करने में जुटी योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रियों को विदेश दौरे में बड़ी सफलता हासिल हुई है। इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से दस लाख करोड़ रुपये तक निवेश जुटाने का लक्ष्य तय किया गया है, लेकिन विभिन्न देशों में मिला समर्थन इस आंकड़े को पार करता दिख रहा है।

इस कड़ी में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का फ्रांस दौरा भी खासा सफल रहा। पेरिस में हुए रोड शो और बिजनेस मीट के दौरान फ्रांस की कंपनियों ने कृषि व एयरक्राफ्ट मेंटीनेंस सहित अन्य क्षेत्रों में निवेश की इच्छा जाहिर की है। वहीं, जापान और दक्षिण कोरिया में कंपनियों के साथ 25 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव पर हस्ताक्षर हुए।

UP GLOBAL INVESTORS SUMMIT
10-12 FEBRUARY, 2023

- सिंगापुर की कंपनियों के साथ हुए 7700 करोड़ के एमओयू
- फ्रांस की इनोटेरा एजी ने 1000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए

सिंगापुर की कंपनियों ने भी 7,700 करोड़ के एमओयू किए।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और आइटी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के नेतृत्व में फ्रांस में हुए रोड शो व बिजनेस मीट में कई निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनीं।

प्रतिनिधिमंडल ने इनोटेरा एजी के सीईओ पास्कल फान से मुलाकात की। इस दौरान 1000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए गए। प्रतिनिधिमंडल ने सैफरन ग्रुप के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट (इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स) मार्टिन क्लाट्स से मुलाकात की और उन्हें उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं से अवगत कराया। इंटरनेशनल कारपोरेशन के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट माइकल पैसकाफ ने यूपी में एयरक्राफ्ट मेंटीनेंस के क्षेत्र में निवेश का प्रस्ताव दिया। इस मौके पर आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव नितिन रमेश गोकर्ण, प्रमुख सचिव परिवहन एल वेंकटेश्वर लू भी मौजूद रहे।

जापान एवं दक्षिण कोरिया से लौटे जयवीर, मुख्यमंत्री को सौंपी रिपोर्ट

जापान और दक्षिण कोरिया से वापस लौटे पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मंगलवार को मुलाकात कर उन्हें निवेश प्रस्तावों से जुड़ी रिपोर्ट सौंपी। मंत्री ने बताया कि इन दोनों देशों में प्रमुख औद्योगिक घरानों से 25,456 करोड़ रुपये के एमओयू हुए है। दावा किया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 से पूर्व इन देशों से 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश और आएगा। लगभग 75 हजार करोड़ रुपये का एमओयू सिर्फ जापान और दक्षिण कोरिया की कंपनियों से होगा। मंत्री ने मुख्यमंत्री को जापान से लाए गए धार्मिक प्रतीक चिह्न भी भेंट किए।

सिंगापुर की कंपनियों ने पार्किंग और ट्रैफिक सिस्टम की नई तकनीक में निवेश को लेकर दिखाई रुचि

सिंगापुर में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने निवेशकों के साथ वन टू वन बिजनेस मीटिंग के दौरान 7,700 करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू पर हस्ताक्षर किए। सिंगापुर की कंपनियों ने पार्किंग एवं ट्रैफिक सिस्टम की नई तकनीक के क्षेत्रों में निवेश को लेकर रुचि दिखाई है। स्वतंत्र देव सिंह ने सिंगापुर की सस्टेनेबिलिटी एंड एनवायरन मंत्री ग्रेस फू हाय येन से भी भेंट की और उनसे यूपी में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। इससे पहले प्रतिनिधिमंडल ने आइटी सिंह टेक्नोलाजी और स्टार कंसोर्टियम प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर चार हजार करोड़ से अधिक के एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे। मंगलवार को स्वदेश लौटे स्वतंत्र देव सिंह ने अपने ट्वीट के जरिए आस्ट्रेलिया और सिंगापुर में मिली सफलता को साझा किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश न्यू इंडिया का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। यही वजह है कि यूपी विदेशी निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है।